IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं का छात्रों की शैक्षिक रुचि पर प्रभाव

डॉ. देवकी नन्दन शर्मा

प्राचार्य, राधाकृष्णन महिला टी.टी. कालेज सवाईमाधोपुर(राज.)

सारांष –

प्रस्तुत शोध प्रपत्र में सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं का छात्रों की शैक्षिक रुचि पर प्रभाव का अध्ययन हेतु शून्य परिकल्पना का निर्माण किया गया कि' सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के, छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पड़ने वाले, प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है। 'यह अध्ययन भरतपुर एवं धौलपुर जिले के 120 शिक्षकों, 120 अभिभावकों, 60 संचालकों तथा 500 छात्रों पर किया गया। उपकरण के रुप में स्वनिर्मित प्रत्यक्षीकरण मापनियों का प्रयोग किया गया तथा निष्कर्ष में पाया गया कि भरतपुर व धौलपुर मे सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर व धौलपुर के शिक्षकों, अभिभावकों, संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। जिसके कारण शून्य परिकल्पना को **स्वीकृत** किया गया। शैक्षिक योजनाओं के प्रभाव में अन्तर नहीं होने का कारण दोनो जिलों मे अध्यापकों द्वारा प्रयुक्त शिक्षण के तरीकों, पाठ्यक्रम, विद्यालयों की भौतिक व्यवस्थाएँ, शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों का रहन सहन, उपलब्ध संसाधन, योजनाओं के उद्देश्यों एवं उनके क्रियान्वयन में एकरूपता का होना रहा।

मुख्य शब्दावली – सर्वशिक्षा अभियान, शैक्षिक योजनाएं, शैक्षिक रुचि

प्रस्तावना – सर्वशिक्षा अभियान की योजना का आरम्भ भारत सरकार ने 2001 में किया। जिसके अन्तर्गत देश के सभी जिलों तक इस कार्यक्रम को पहुँचाने तथा 6 से 14 वर्ष के सभी बच्चों के लिए प्रारम्भिक शिक्षा अनिवार्य रूप से लागू करने का प्रयास किया गया था। सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत वर्ष 2010 तक 6 से 14 आयु वर्ग के सभी बच्चों को संतोषजनक, निःशुल्क, जीवनोपयोगी एवं गुणवत्तापरक प्राथमिक शिक्षा प्रदान करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सर्वशिक्षा अभियान के निम्नलिखित समयबध्द लक्ष्य निर्धारित किए गए–

2002 –देश के सभी जिलों तक कार्यक्रम पहुँचाना।

2005 –सभी बच्चों को स्कूलों ,शिक्षा गारन्टी केंन्द्र एवं वैकल्पिक विद्यालयों में दाखिला ।

2007 –सभी बच्चों को पाँच साल तक की शिक्षा सम्पन्न कराना।

2010 –सभी बच्चों द्वारा आठ साल की प्राथमिक शिक्षा सम्पन्न कराना एवं उनका सम्पूर्ण प्रतिधारण।

सर्वशिक्षा अभियान सार्वभौमिक प्राथमिक शिक्षा की उपलब्धता की दिशा में संचालित एक सर्वाधिक महत्वाकांक्षी और आधारभूत कार्यक्रम है।

केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों के साथ भागीदारी करके इस कार्यक्रम को सम्पूर्ण देश में क्रियान्वित किया जा रहा है। जिसके लिये केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच साझेदारी 11 वीं योजना के अन्तर्गत इसका अनुपात वर्ष 2007–08 में 2008 –09 के लिये बढकर 65:35, वर्ष 2009–2010 के लिये 60:40 , 2010–11 के लिये 55:45 तथा वर्ष 2011–12 से अगले वर्षों के लिये 50:50 किया गया है । वर्तमान में इसका अनुपात 65:35 है।

सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत संचालित शैक्षिक योजनाएं–

सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत अनेक योजनाएं चलाई जा रही हैं जिनमें से कुछ योजनाएं विद्यालयों के मरम्मत कार्य, निर्माण कार्य एवं उनके रख–रखाव से सम्बन्धित हैं व कुछ शैक्षिक योजनाएं संचालित की जा रही हैं जो निम्न लिखित हैं।

1.प्रारम्भिक औपचारिक शिक्षा योजना

2.वैकल्पिक शिक्षा योजना

3.आवासीय ब्रिज कोर्स योजना

4.गैर आवासीय ब्रिज कोर्स योजना

5.कस्तूरबा गाँधी बालिका आवासीय विद्यालय योजना

6.एन पी ई जी ई एल योजना

7.अरबन स्लम योजना

8.समावेशित शिक्षा योजना

9.शाला जल स्वच्छता एवं स्वास्थ्य शिक्षा योजना

10.कल्प (कम्प्यूटर एडेड लर्निंग प्रोग्राम) योजना

11.उपचारात्मक शिक्षण योजना

संबंधित साहित्य अध्ययन – संबंधित साहित्य से संबंधित सूचनाएं अनेकों स्त्रोतों से प्राप्त होती है। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण स्त्रोतों का शोधकर्ता द्वारा अवलोकन किया गया है, जिनमें पुस्तकें ,पत्र–पत्रिकाएं, वार्षिकी, अन्तर्राष्ट्रीय प्रकाशन ,शोध प्रबंध ,ज्ञानकोष ,बुलेटिन आदि स्त्रोतों से शोध साहित्यों का अध्ययन किया गया।

अध्ययन की आवश्यकता :–

2011 में राजस्थान की कुल साक्षरता 66.10 प्रतिशत रही। जिसमें पुरूष साक्षरता 79.19 प्रतिशत तथा महिला साक्षरता 52.11 प्रतिशत रही । राजस्थान राज्य में प्राथमिक शिक्षा की स्थिति ज्यादा अच्छी नहीं है। यहाँ के बालक भारत सरकार द्वारा सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत दी जा रही निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का लाभ नहीं ले पा रहे हैं। अतः शोधकर्ता के मन में कुछ प्रश्न उठे।

- सर्वशिक्षा अभियान के अन्तर्गत कौन–कौन सी शैक्षिक योजनाएं संचालित की जा रही हैं ?
- इन शैक्षिक योजनाओं के प्रमुख उद्देश्य क्या हैं ?
- इनकी शैक्षिक प्रक्रिया कैसी है ?
- इन योजनाओं से विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है या नहीं ?
- इन शैक्षिक योजनाओं का कियान्वयन ठीक तरह से हो रहा है या नहीं ?
- इन शैक्षिक योजनाओं के प्रति शिक्षकों ,अभिभावकों, संचालकों एवं विद्यार्थियों की सोच क्या है ?
- इन शैक्षिक योजनाओं का प्राथमिक स्तरीय छात्रों की शैक्षिक रुचि को बढाने में क्या योगदान है ?
- इन शैक्षिक योजनाओं का प्राथमिक स्तरीय छात्रों की उपलब्धियों को बढाने में क्या योगदान है ?

उपरोक्त प्रश्नों के उत्तर जानने की इच्छा से शोधकर्ता ने प्रस्तुत समस्या को शोध का आधार बनाया है।

समस्या कथनः–

"सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं का छात्रों की शैक्षिक रुचि पर प्रभाव "।

अध्ययन का उद्देश्य :–

सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के, छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पड़ने वाले, प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पना :–

सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के, छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पड़ने वाले, प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध अध्ययन के चर –

स्वतंत्र चर :– सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं की प्रकृति

आश्रित चर /परतंत्र चर :

1. छात्रों की शैक्षिक रुचि 2.प्राथमिक स्तरीय शिक्षा

तकनीकी शब्दों की व्याख्या :–

सर्व शिक्षा अभियान – सर्व शिक्षा अभियान से तात्पर्य उस योजना से है जिसमें 6 से 14 वर्ष तक की आयु वर्ग के बालक एवं बालिकाओं को निःशुल्क व अनिवार्य शिक्षा दी जा रही है।

शैक्षिक योजनाएं– शैक्षिक योजनाओं से तात्पर्य सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत प्राथमिक स्तर पर संचालित योजनाओं से है।

शैक्षिक रुचि– रुचि से तात्पर्य उस इच्छा शक्ति से है जो हमें किसी व्यक्ति, वस्तु या क्रिया के प्रति ध्यान देने के लिए प्रेरित करती है। शैक्षिक क्रियाओं को करने की इच्छा शक्ति को ही शैक्षिक रुचि कहा जाता है।

परिसीमन– प्रस्तुत शोध कार्य केवल भरतपुर व धौलपुर जिले के प्राथमिक विद्यालयों में सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत संचालित शैक्षिक योजनाओं व उनसे संबंधित शिक्षकों, अभिभावकों, संचालकों एवं विद्यार्थियों तक सीमित है।

अध्ययन विधि एवं उपकरण– प्रस्तुत शोध मे अध्ययन विधि हेतु **सर्वेक्षण विधि** का प्रयोग किया गया है। कोई मानकीकृत परीक्षण उपलब्ध नहीं होने के कारण शोधकर्ता ने स्वनिर्मित (शिक्षकों, अभिभावकों, संचालकों एवं विद्यार्थियों हेतु) प्रत्यक्षीकरण मापनीयों का निर्माण किया है।

न्यादर्श चयन– प्रस्तुत शोध में न्यादर्श की **यादृच्छिक चयन विधि** द्वारा भरतपुर एवं धौलपुर जिले के 120 शिक्षकों, 120 अभिभावकों, 60 संचालकों तथा 500 छात्रों को चयनित किया गया है।

अध्ययन में प्रयुक्त सांख्यिकीः– प्राप्त आंकड़ों के विश्लेषण हेतु मध्यमान, मानक विचलन ,टी–परीक्षण, आंकड़ो का रेखाचित्रीय प्रस्तुतीकरण आदि सांख्यिकी विधियों का चयन किया गया।

विश्लेषण एवं व्याख्या –

परिकल्पना :–

सर्व शिक्षा अभियान के अन्तर्गत संचालित शैक्षिक योजनाओं के, छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पड़ने वाले, प्रभाव में कोई सार्थक अन्तर नहीं है।

शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण की व्याख्या :–

सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के छात्रों (बालक एवं बालिकाओं) की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर के शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण की धौलपुर के शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण से तुलना :–

घटक	मध्यमान	संख्या	मानक विचलन	टी मान	स्वातंत्र्य संख्या	सार्थकता का स्तर
भरतपुर	27.87	125	6.53	0.798	124	NS***
धौलपुर	28.84	125	9.93			

'.05 = -05 स्तर पर सार्थक,अन्तर ".01 = -01 स्तर पर सार्थक अन्तर ***NS = सार्थक अन्तर नहीं

व्याख्या :– तालिका **1** के अनुसार भरतपुर जिले में सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर के शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण को मापने के प्राप्तांकों का मध्यमान 27.87 और धौलपुर जिले में सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर के शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण को मापने के प्राप्तांकों का मध्यमान 28.84 है। भरतपुर व धौलपुर के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति दोनों समूहों के प्रत्यक्षीकरण के प्राप्तांकों का मानक विचलन क्रमशः 6.53 व 9.93 है। तथ्य गणना में भरतपुर व धौलपुर के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर व धौलपुर के शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण प्राप्तांकों से टी–मान 0.798 प्राप्त हुआ । यह इस बात को सिद्ध करता है कि दोनों समूहों में सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर व धौलपुर के शिक्षकों, अभिभावकों,संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण के प्राप्तांकों में कोई सार्थक अन्तर नहीं है। क्योंकि सार्थक अन्तर स्पष्ट करने के लिये 124 स्वातंत्र्य संख्या के अनुसार टी–मान .05 व .01 स्तर पर क्रमशः 1.980 व 2.617 होना आवश्यक है। प्राप्त टी–मान 0.798 इस आवश्यक मूल्य से कम है। इसीलिए यह स्पष्ट है कि भरतपुर व धौलपुर मे सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक

योजनाओं के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर पडने वाले प्रभाव के प्रति भरतपुर व धौलपुर के शिक्षकों, अभिभावकों, संचालकों एवं विद्यार्थियों के प्रत्यक्षीकरण में सार्थक अन्तर नहीं है।

शोध के दौरान शोधकर्ता द्वारा प्राप्त अनुभवों के आधार पर कहा जा सकता है कि भरतपुर एवं धौलपुर के छात्रों की शैक्षिक रुचि पर सर्व शिक्षा अभियान की शैक्षिक योजनाओं के प्रभाव में अन्तर नहीं होने का कारण दोनो जिलों मे अध्यापकों द्वारा प्रयुक्त शिक्षण के तरीकों, पाठ्यक्रम, विद्यालयों की भौतिक व्यवस्थाएँ, शिक्षकों एवं शिक्षार्थियों का रहन सहन, उपलब्ध संसाधन, योजनाओं के उद्देश्यों एवं उनके क्रियान्वयन में एकरूपता का होना रहा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

- **बैस्ट, जॉन डब्ल्यू–** रिसर्च इन एजुकेशन, ।।। एडीशन (1976) , प्रिन्टिस हॉल ऑफ इन्डिया, नई दिल्ली–110001
- **भटनागर, आर.पी. एवं भटनागर, एम.– (1992)–** मनोविज्ञान एवं शिक्षा में मापन एवं मूल्यांकन, आर, लाल बुक डिपो, मेरठ
- **बुच.एम. बी (1991)–** चतुर्थ सर्वे, रिसर्च इन एजुकेशन–1983–1998 वॉल्यूम– ।,।।, एन.सी.ई.आर.टी.,नई दिल्ली–16
- **गुप्ता, एस.पी. (2001)–** आधुनिक मापन एवं मूल्यांकन, शारदा पुस्तक भवन, इलाहबाद
- **कॉल,लोकेश (1998)–** शैक्षिक अनुसंधान की कार्यप्रणाली, विकास पब्लिशिंग हाउस प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली
- **वार्षिक रिपोर्ट 2012–2013–** प्रारम्भिक शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, एम.एच.आर.डी., भारत सरकार, नई दिल्ली
- **वार्षिक रिपोर्ट, डी.पी.ई.पी 2012–2013**– राजस्थान प्राथमिक शिक्षा परिषद जयपुर
- Pratiyogita Darpan, Magzine, February 2001, Year 23, No. 7,Agra.
- Pratiyogita Darpan, Magzine, Sept. 2001, Year 24, No.2, Agra.
- Pratiyogita Darpan , Magizine, January 2000, Year 22, No.6, Agra.
- Pripreksha, Magzine, April 1996, Year 3, No.1, NIEPA, New Delhi.
- Rajpoot, Dr. Jagmohan Singh, Pathyakaram Parivantan Ke Aayam, NCERT, NewDelhi, January 2002
- Sabir Ali (1995) Environment and resettlement colonies of Delhi, HarAnand Publications, New Delhi.
- Sharma, R. (1998), Universal Elementry Education: The Question of How Economic and Political Weekly. Vol.33 (26).
- Shekhar, Dr.B.(1997), Rajasthan Mein Shikshanusandhan-Sampraptiyan awan Sambhawnayen-3, Shiksha Vibhag Rajasthan , Bikaner.
- Shivira Patrika, Magzine, May-June 2000, Year 40, No.2, Bikaner
- Shukla S. (1994), Attainment of Primary School children in India, NCERT, New Delhi.